भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2141

उत्तर दिनांक 12/03/2025 को दिया गया

हरिपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र

2141. श्री सौमित्र खान
श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) पश्चिम बंगाल में हरिपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है तथा इसके विकास और निर्माण में क्या प्रगति हुई है;

(ख) क्या हरिपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण और संचालन में कोई विलंब या बाधा आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) हरिपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र से संबंधित किसी भी पर्यावरणीय और सुरक्षा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(घ) हरिपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पूरा किए जाने और इसे शुरू किए जाने की अनुमानित समय-सीमा क्या है तथा संचालन शुरू होने के पश्चात् यह क्षेत्र की ऊर्जा आपूर्ति में किस प्रकार योगदान देगा?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पश्चिम बंगाल के हरिपुर में स्थल को सरकार द्वारा वर्ष 2009 में 'सिंद्धाततः' स्वीकृति प्रदान की गई तथा रूसी संघ के सहयोग से 1000 मेगावाट (निम्न क्षमता) की छह इकाइयों की स्थापना के लिए निर्धारित किया गया है। परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण अभी तक राज्य सरकार द्वारा शुरू नहीं किया गया है। इसलिए, परियोजना का निर्माण शुरू नहीं हुआ है।

(ख) 'क' के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

(ग) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के डिजाइन, निर्माण तथा प्रचालन के दौरान नाभिकीय संयंत्रों के आस-पास आम जनता की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक माना जाता है। परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में ठोस, तरल तथा गैसीय अपशिष्टों के संरक्षित प्रक्रमण के लिए एक सुस्थापित प्रक्रिया है, जिससे इसके आस-पास रहने वाले आम लोगों के स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। सभी नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थलों पर पर्यावरणीय सर्वेक्षण प्रयोगशालाएं (ईएसएल) स्थापित की गई हैं, जो नियमित रूप से पर्यावरणीय निगरानी करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उत्सर्जन, स्वीकार्य निस्सरण सीमाओं के भीतर हो। तदनुसार, परियोजना के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए परियोजना स्थल तथा आस-पास के क्षेत्रों में जन संपर्क कार्यक्रम चलाए गए हैं।

(घ) परियोजना के पूरा होने और कमीशनन होने की समय-सीमा, परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के बाद ही निर्धारित की जा सकती है। प्रचालनरत होने पर इससे लगभग 6000 मेगावाट स्वच्छ बिजली का उत्पादन होगा।

*****